UNIVERSITY NEWS 31 OCTOBER 2026

AMAR UJALA

शिक्षकों और सूचना पेशेवरों का स्थान नहीं ले सकता एआई



सम्मेलन का शुभारंभ करते उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव। अमर उजाला

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को 14वें अंतरराष्ट्रीय पुस्तकालय एवं सूचना पेशेवर शिखर सम्मेलन (आई-लिप्स-2026) का शुभारंभ हुआ। मालवीय सभागार में आयोजित सम्मेलन में अध्यक्ष एवं संयोजक प्रो. एमपी सिंह ने कहा कि एआई शिक्षा और सूचना सेवाओं का स्वरूप बदल रहा है। ऐसे में पुस्तकालय एवं सूचना पेशेवरों की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

फ्रांस के स्ट्रासबर्ग विश्वविद्यालय के डॉ. जीन-चार्ल्स लामिरेल ने एजेंटिक एआई की बढ़ती भूमिका पर चर्चा की। बताया कि एआई आधारित प्रणालियां अब अधिक स्वायत्तता के साथ काम करने में सक्षम हो रही हैं।

बंगलूरू विश्वविद्यालय के डॉ. एम. रघुनंदन ने लखनऊ विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक शैक्षणिक विरासत और पारंपरिक ज्ञान की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति प्रो. राजीव मनोहर ने समग्र शिक्षा को बढ़ावा देने, डिजिटल विभाजन कम करने और पुस्तकालयों को सुलभ बनाने पर जोर दिया।

लविवि में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आगाज

- **150 शोधपत्रों में से 106 को जगह :** सम्मेलन के निदेशक डॉ. पीके जैन ने आई-लिप्स सम्मेलन की यात्रा और विकास की जानकारी दी।
- **डॉ. प्रविश को एकेडमिक अवॉर्ड** सम्मेलन में लविवि में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रविश प्रकाश को एकेडमिक अवॉर्ड-2026 से सम्मानित किया गया। डॉ. प्रविश प्रकाश ही सम्मेलन के आयोजन सचिव भी हैं।

भ्रष्टाचार से दूर रहने की शपथ ली

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में बृहस्पतिवार को सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। काउंसिल ऑफ सिविल इंजीनियर्स की ओर से केंद्रीय भूमि जल बोर्ड, उत्तरी क्षेत्र के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में बीटेक सिविल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों ने भ्रष्टाचार से दूर रहने और ईमानदारी, पारदर्शिता व जवाबदेही के मूल्यों को अपनाने की शपथ ली। कार्यक्रम में सार्वजनिक संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग और भूजल संरक्षण पर भी जोर दिया गया। इस दौरान संकायाध्यक्ष प्रो. सतेंद्र पाल सिंह, प्रो. एनके सक्सेना, इंजी. जितेंद्र प्रताप सिंह, केंद्रीय भूमि जल बोर्ड के वैज्ञानिक विद्या भूषण और एबादुर रहमान मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA

लविवि में शुरू हुई खेलकूद प्रतियोगिता



लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में शुक्रवार को चार दिवसीय क्रीड़ा प्रतियोगिता आरंभ-2026 की शुरुआत हुई। लखनऊ विश्वविद्यालय के एथलेटिक एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. आरबी सिंह और सचिव प्रो. अजय आर्य ने टेबल टेनिस खेलकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। क्रीड़ा प्रभारी प्रो. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों और संबद्ध महाविद्यालयों की 150 से अधिक टीमें हिस्सा ले रही हैं। क्रिकेट, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, वॉलीबॉल और रस्साकशी सहित कई खेलों के मुकाबले होंगे। उद्घाटन के दौरान विधि संकाय के अध्यक्ष प्रो. आरके वर्मा, अभियांत्रिकी संकाय के अध्यक्ष प्रो. सत्येंद्र पाल सिंह सहित शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। (संवाद)

लखनऊ विश्वविद्यालय में बनेगा ग्रीन हाइड्रोजन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस



लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सहयोग और हरित ऊर्जा अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार को दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। भारत नॉर्डेन रीजनल कंसोर्टियम (बीएनओआरसी), नॉर्वे की संबंद एएस और लक्ष्य फाउंडेशन के साथ हुए समझौते के तहत लविवि में पंचतत्व सर्कुलर बायोइकोनॉमी-ग्रीन हाइड्रोजन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा।

इसमें कृषि अवशेषों, जैविक कचरे और बायोमास से ग्रीन हाइड्रोजन, बायोगैस, जैव उर्वरक और स्वच्छ ऊर्जा तैयार करने की तकनीकों पर शोध होगा। वहीं, रांची के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय साथ हुए समझौते के तहत दोनों संस्थानों के विद्यार्थी और शिक्षक आपस में शैक्षणिक आदान-प्रदान कर सकेंगे। साथ ही संयुक्त शोध परियोजनाओं, शिक्षक विनिमय और शोध संसाधनों को साझा करने के अवसर मिलेंगे। यह समझौता पांच वर्ष के लिए किया गया है।

कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि इससे लविवि का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शोध नेटवर्क मजबूत होगा। रांची विवि के कुलपति प्रो. राजीव मनोहर, बीएनओआरसी की संस्थापक डॉ. अभिलाषा, लविवि की कुलसचिव भावना मिश्रा और प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMRIT VICHAR

एआई कभी भी पुस्तकालयों की जगह नहीं ले सकता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: प्रौद्योगिकी पुस्तकालयों को सशक्त बना सकती है, लेकिन पुस्तकालयों का संचालन करने वाले पेशेवरों का स्थान नहीं ले सकती। लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित 14वें अंतरराष्ट्रीय पुस्तकालय एवं सूचना पेशेवर शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में प्रमुखता से उभरकर सामने आया। तीन दिवसीय इस सम्मेलन में देश-विदेश से आए प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इसका आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा किया जा रहा है। सम्मेलन के अध्यक्ष एवं संयोजक प्रो. एमपी सिंह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा और सूचना सेवाओं के स्वरूप को तेजी से बदल रहा है। फ्रांस के स्ट्रासबर्ग विश्वविद्यालय के डॉ. हैविल. जीन चार्ल्स लामिरेल ने इस चर्चा को व्यावसायिक दृष्टिकोण प्रदान किया। एजेंटिक एआई की उभरती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रणालियां अधिक स्वायत्तता के साथ कार्य करने की क्षमता विकसित कर रही हैं। बंगलुरु विश्वविद्यालय के डॉ. एम. रघुनंदन ने लखनऊ विश्वविद्यालय की एक प्रतिष्ठित एवं ऐतिहासिक शिक्षण संस्थान के रूप में विरासत पर प्रकाश डाला।

NBT

खबरें LU की

'साइबर लाइब्रेरी उपयोगी, लेकिन शिक्षकों का विकल्प नहीं'



■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में शुक्रवार को 14वें अंतरराष्ट्रीय पुस्तकालय एवं सूचना पेशेवर शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें देश-विदेश के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में एलयू पुस्तकालय विज्ञान विभाग के डॉ. प्रविश प्रकाश को 'बेस्ट अकैडमीशियन' अवॉर्ड से नवाजा गया।

बेंगलूरु विश्वविद्यालय के डॉ. एम रघुनंदन ने कहा कि आजादी से पहले के दुर्लभ अभिलेखों, पांडुलिपियों और किताबों को एआई की मदद से डिजिटाइज करना अब आसान और किफायती हो गया है, जो लाइब्रेरी साइंस में बड़ी प्रगति है। सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. एपी सिंह और डॉ. प्रविश प्रकाश ने जोर दिया कि तकनीक और साइबर लाइब्रेरी उपयोगी तो बढ़ सकते हैं, लेकिन वे कभी शिक्षकों व पुस्तकालय पेशेवरों का विकल्प नहीं बन सकते। प्रति के स्ट्रासबर्ग विवि से आए डॉ. हैविल, जीन-चार्ल्स लामिरेल ने एजेंटिक एआई के प्रभावों पर विचार रखे।

LU में बनेगा ग्रीन हाइड्रोजन का सेंटर ऑफ एक्सिलेंस



■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (LU) में पंचतत्व सर्कुलर बायोइकोनॉमी-ग्रीन हाइड्रोजन सेंटर ऑफ एक्सिलेंस' की स्थापना होगी। इसके तहत शुक्रवार को दो महत्वपूर्ण एमओयू साइन किए गए। पहला समझौता झारखंड के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि (रांची) के साथ पांच वर्ष के लिए शैक्षणिक व शोध सहयोग, फैकल्टी व छात्र एक्सचेंज के लिए हुआ है।

दूसरा एमओयू चार नॉर्डिक देशकन कंसोर्टियम (बीएनओआरसी, नॉर्वे) से संबद्ध संस्था 'Sambond AS' और लक्ष्य फाउंडेशन के साथ हुआ। इस सेंटर और एक्सीलेंस में कृषि अवशेष, बायोमास और जैविक कचरे से ग्रीन हाइड्रोजन, बायोगैस, जैव उर्वरक और स्वच्छ ऊर्जा तैयार करने पर अनुसंधान होगा। इस पहल से छात्रों व शोधार्थियों को हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग, इंटर्नशिप, फैकल्टी विकास और इंडस्ट्री अप्रोच मिलेगी। एमओयू के दौरान एलयू कोयी प्रो. जेपी सैनी, रांची विवि के वीसी प्रो. राजीव मनोहर, कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा और बीएनओआरसी की मोईओ डॉ. अभिलाषा जाल मौजूद रहीं।

TIMES OF INDIA

LU signs pact for Green Hydrogen Centre of Excellence

TIMES NEWS NETWORK



PANCHTATVA PROJECT

Lucknow: In a step towards sustainable development and international research collaboration, University of Lucknow, Bharat Norden Regional Consortium (BNORC), Norway, Samband AS, Norway, and Lakshya Foundation, India, have signed a memorandum of understanding (MoU) to establish the Panchtatva Circular Bioeconomy-Green Hydrogen Centre of Excellence (PCB-GH₂ CoE) and Demonstration Platform.

The initiative is based on the philosophy that "a mother can never be a liability; Gau Mata and our gaushalas are invaluable assets" and seeks to transform India's traditional gaushala ecosystem into a driver of rural prosperity, environmental protection and technological innovation.

Under the initiative, cattle dung, biomass and organic waste will be processed through the five elements of Panchtatva — Prithvi, Jal, Agni, Vayu and Akash — to produce green hydrogen, biogas, biofertilisers, recovered water and other valuable resources. The collaboration aims to combine advanced technologies and expertise from Norway, Sweden, Finland, Iceland and Denmark with Indian research, indigenous knowledge and implementation capabilities.

The partners also envisage academic collaboration with University of Agder, Norway, to strengthen international training, researcher exchanges, capacity building and industry-ready skills.

The project brings together Nordic technology and Indian expertise to advance BNORC's Mission Zero vision of Zero Waste, Zero Pollution and sustainable livelihoods.

SWATANTRA BHARAT

सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 कार्यक्रम

स्वतंत्र भारत संवाददात लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के तत्वावधान में शुक्रवार को सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्रीय भूमि जल बोर्ड, उत्तरी क्षेत्र लखनऊ के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम की थीम 'समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा आज की ईमानदारी, कल का समृद्ध भविष्य' रही।कार्यक्रम में बीटेक सिविल इंजीनियरिंग के प्रथम से चतुर्थ वर्ष तक के लगभग 100 विद्यार्थियों ने भ्रष्टाचार उन्मूलन और सत्यनिष्ठा की शपथ ली।

HINDUSTAN

एलयू में शुरू हुआ खेल महोत्सव

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में चार दिवसीय खेल महोत्सव 'आरंभ-2026' का शुक्रवार को भव्य शुभारंभ हुआ। एथलेटिक एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो. आर. बी. सिंह एवं सचिव प्रो. अजय आर्य ने टेबल टेनिस खेलकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

क्रीड़ा प्रभारी प्रो. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि क्रिकेट, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, वॉलीबॉल और रस्साकशी सहित विभिन्न खेल आयोजित होंगे।इसमें विश्वविद्यालय, संबद्ध महाविद्यालयों की 150 से अधिक टीमें प्रतिभाग कर रही हैं।

एआईलाइब्रेरियनका स्थान नहींले सकता

लखनऊ। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शिक्षा और सूचना सेवाओं को नई दिशा दे रहा है, लेकिन यह पुस्तकालयाध्यक्षों और सूचना पेशेवरों का स्थान नहीं ले सकता। यह विचार शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित 14वें अंतरराष्ट्रीय पुस्तकालय एवं सूचना पेशेवर शिखर सम्मेलन आई लिप्स 2026 के उद्घाटन सत्र में उभरा।तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की ओर से किया जा रहा है। सम्मेलन के अध्यक्ष एवं संयोजक प्रो. एमपी सिंह ने कहा कि एआई शिक्षा और सूचना सेवाओं को बदल रहा है, लेकिन मानवीय विशेषज्ञता का महत्व बना रहेगा। इस दौरान फ्रांस के स्ट्रासबर्ग विश्वविद्यालय के डॉ. जीन-चार्ल्स लामिरेल ने एजेंटिक एआई की संभावनाओं पर विचार रखे। बेंगलुरु विश्वविद्यालय के डॉ. एम. रघुनंदन और रांची के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजीव मनोहर ने भी संबोधित किया। सम्मेलन में 150 शोधपत्र प्राप्त हुए, जिनमें 106 को कार्यवाही में शामिल किया गया।

AMRIT VICHAR

लविवि और रांची विवि ने मिलाया हाथ

लखनऊ, अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सहयोग, अनुसंधान, नवाचार और सतत विकास की दिशा में दो समझौता ज्ञापन किया है। इनमें पहला समझौता झारखंड के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक व अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। जबकि दूसरा भारत नॉर्डेन रीजनल कंसोर्टियम, नॉर्वे व लक्ष्य फाउंडेशन के साथ पंचतत्व सर्कुलर बायोइकोनॉमी–ग्रीन हाइड्रोजन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना और विकास के लिए किया गया है। इस अवसर पर लविवि के कुलपति प्रो. जेपी सैनी, रांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजीव मनोहर व कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा उपस्थित रहे।

लविवि में क्रीड़ा महोत्सव शुरू

लखनऊ, अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में चार दिवसीय क्रीड़ा महोत्सव 'आरंभ-2026' का शुभारंभ हुआ। क्रीड़ा प्रभारी प्रो. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि प्रतियोगिता में क्रिकेट, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, वॉलीबॉल और रस्साकशी सहित विभिन्न खेल होंगे। दोनों परिसरों और संबद्ध महाविद्यालयों की 150 से अधिक टीमें इसमें हिस्सा ले रही हैं। उद्घाटन अवसर पर प्रो. आरके वर्मा, प्रो. सत्येंद्र पाल सिंह सहित शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

TIMES OF INDIA

Aarambh-2026 begins at LU

More than 150 teams from Lucknow University's two campuses and affiliated colleges will participate in the four-day sports competition 'Aarambh-2026', which began at the university's second campus on Friday. "We want students from both campuses and affiliated colleges to participate and build a healthy sporting culture," said LU athletic association general secretary Prof Ajay Arya.

SWATANTRA BHARAT

लविवि: चार दिवसीय 'आरंभ-2026' क्रीड़ा प्रतियोगिता शुरू

स्वतंत्र भारत संवाददातालखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में चार दिवसीय क्रीड़ा प्रतियोगिता 'आरंभ-2026' का शुभारंभ हुआ। लखनऊ विश्वविद्यालय एथलेटिक एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो आरबी सिंह और सचिव प्रो अजय आर्य ने टेबल टेनिस खेलकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।इस अवसर पर क्रीड़ा प्रभारी प्रो. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि चार दिनों तक चलने वाली प्रतियोगिता में क्रिकेट, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, वॉलीबॉल और रस्साकशी सहित विभिन्न खेल आयोजित किए जाएंगे। इनमें विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों और संबद्ध महाविद्यालयों की 150 से अधिक टीमें प्रतिभाग कर रही हैं।उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करना है। साथ ही उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देना है। उद्घाटन समारोह में विधि संकायाध्यक्ष प्रो. आरके वर्मा, अभियांत्रिकी संकायाध्यक्ष प्रो. सत्येंद्र पाल सिंह सहित शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

आई-लिप्स 2026 के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

स्वतंत्र भारत संवाददातालखनऊ। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पुस्तकालयों की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने में सहायक हो सकता है, लेकिन पुस्तकालयाध्यक्षों और सूचना पेशेवरों का स्थान नहीं ले सकता। यह विचार शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित 14वें अंतरराष्ट्रीय पुस्तकालय एवं सूचना पेशेवर शिखर सम्मेलन आई लिप्स 2026 के उद्घाटन सत्र में उभरा।तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की ओर से किया जा रहा है। सम्मेलन के अध्यक्ष एवं संयोजक प्रो. एमपी सिंह ने कहा कि एआई शिक्षा और सूचना सेवाओं को बदल रहा है, लेकिन मानवीय विशेषज्ञता का महत्व बना रहेगा। इस दौरान फ्रांस के स्ट्रासबर्ग विश्वविद्यालय के डॉ. जीन-चार्ल्स लामिरेल ने एजेंटिक एआई की संभावनाओं पर विचार रखे। बेंगलुरु विश्वविद्यालय के डॉ. एम. रघुनंदन और रांची के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजीव मनोहर ने भी संबोधित किया। सम्मेलन में 150 शोधपत्र प्राप्त हुए, जिनमें 106 को कार्यवाही में शामिल किया गया।

एलयू में हरित ऊर्जा अनुसंधान पर एमओयू

लखनऊ। एलयू ने शैक्षणिक सहयोग, अनुसंधान और सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। पहला समझौता झारखंड के श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय से सहयोग के लिए, जबकि दूसरा भारत नॉर्डेन क्षेत्रीय संघ, नॉर्वे की कंपनी व लक्ष्य फाउंडेशन के साथ हरित हाइड्रोजन उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए किया गया।

एलयू में भ्रष्टाचार मुक्त समाज की ली गयी शपथ

लखनऊ। भ्रष्टाचार मुक्त समाज, पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लखनऊ विश्वविद्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसकी थीम 'समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा–आज की ईमानदारी, कल का समृद्ध भविष्य' रही। इस अवसर पर सिविल इंजीनियरिंग के लगभग सौ विद्यार्थियों ने भ्रष्टाचार उन्मूलन की शपथ ली।

AMRIT VICHAR

- लविवि के नए परिसर में क्रीड़ा महोत्सव के तहत खेलकूद प्रतियोगिताएं प्रात : 10 बजे से।